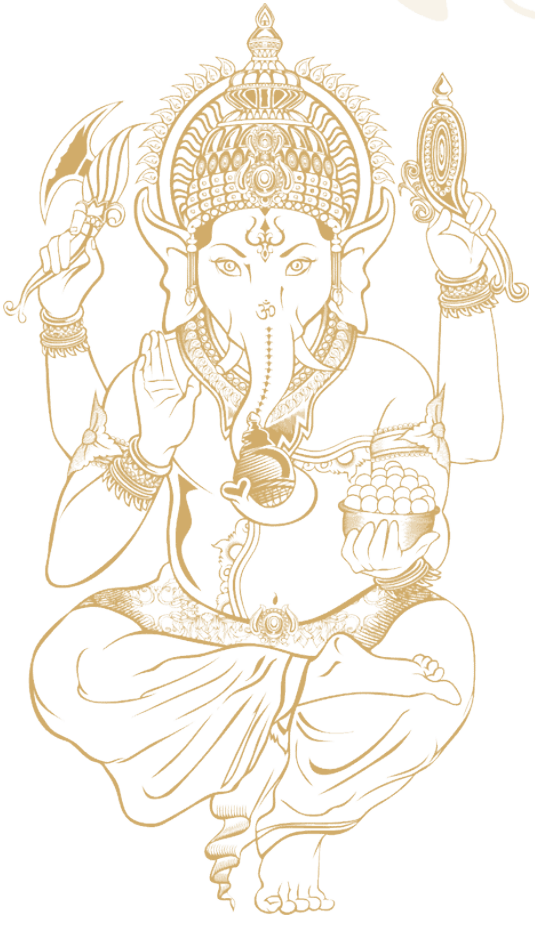

Rakhi Singh

05 Dec 1996

01:00 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121809405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/12/1996**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:00:00 घंटे**
इष्ट	46:13:56 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:03:32 घंटे
वेलान्तर	00:09:43 घंटे
साम्पातिक काल	05:59:05 घंटे
सूर्योदय	06:30:25 घंटे
सूर्यास्त	17:03:08 घंटे
दिनमान	10:32:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:07:26 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:58:48 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:58:48	322:53:32	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	19:07:26	01:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	06:45:01	12:12:10	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल			सिंह	24:26:09	00:27:47	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	06:31:38	01:26:12	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	25:18:48	00:12:37	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			तुला	20:43:36	01:14:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			मीन	06:47:47	00:00:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कन्या	11:45:32	00:00:21	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	11:45:32	00:00:21	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:05:57	00:02:35	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:05:51	00:01:47	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:34:05	00:02:21	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	05:58:29	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:51

लग्न-चलित

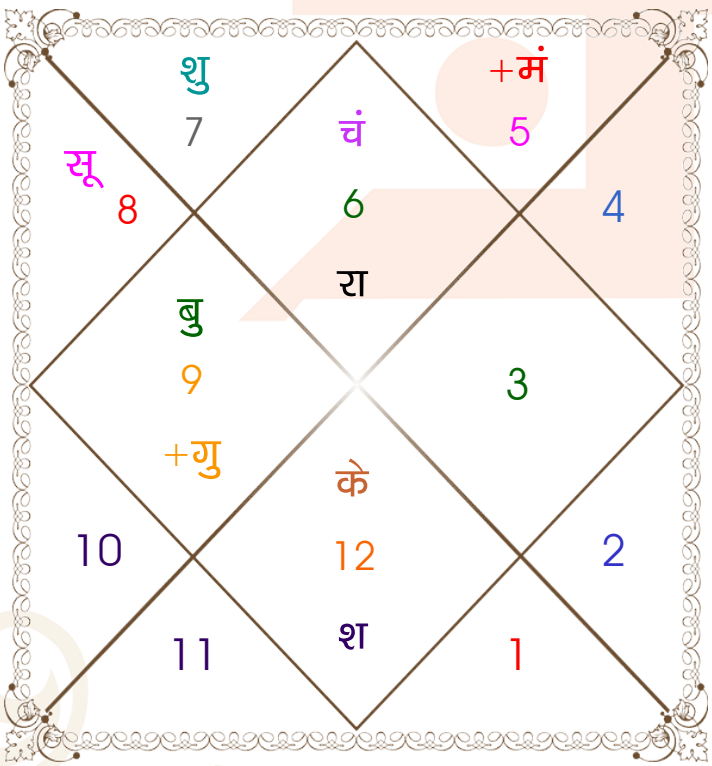

चन्द्र कुंडली

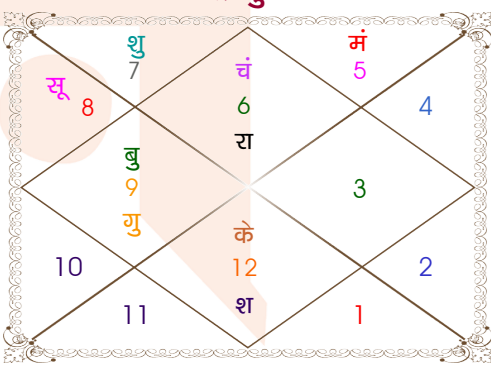

नवमांश कुंडली

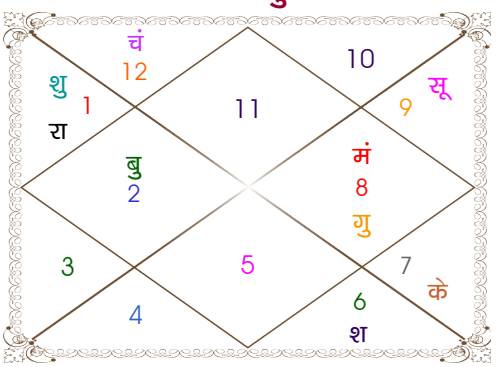

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 5 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/12/1996		23/05/1998		22/05/2008		23/05/2015		22/05/2033	
23/05/1998		22/05/2008		23/05/2015		22/05/2033		22/05/2049	
	00/00/0000	चंद्र	23/03/1999	मंगल	18/10/2008	राहु	02/02/2018	गुरु	11/07/2035
	00/00/0000	मंगल	22/10/1999	राहु	06/11/2009	गुरु	28/06/2020	शनि	21/01/2038
	00/00/0000	राहु	22/04/2001	गुरु	13/10/2010	शनि	05/05/2023	बुध	28/04/2040
	00/00/0000	गुरु	22/08/2002	शनि	22/11/2011	बुध	21/11/2025	केतु	04/04/2041
	00/00/0000	शनि	22/03/2004	बुध	18/11/2012	केतु	10/12/2026	शुक्र	04/12/2043
	05/12/1996	बुध	22/08/2005	केतु	16/04/2013	शुक्र	09/12/2029	सूर्य	21/09/2044
बुध	15/01/1997	केतु	23/03/2006	शुक्र	16/06/2014	सूर्य	03/11/2030	चंद्र	21/01/2046
केतु	22/05/1997	शुक्र	22/11/2007	सूर्य	22/10/2014	चंद्र	04/05/2032	मंगल	28/12/2046
शुक्र	23/05/1998	सूर्य	22/05/2008	चंद्र	23/05/2015	मंगल	22/05/2033	राहु	22/05/2049

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/05/2049		22/05/2068		22/05/2085		22/05/2092		23/05/2112	
22/05/2068		22/05/2085		22/05/2092		23/05/2112		00/00/0000	
शनि	25/05/2052	बुध	19/10/2070	केतु	19/10/2085	शुक्र	22/09/2095	सूर्य	10/09/2112
बुध	02/02/2055	केतु	16/10/2071	शुक्र	19/12/2086	सूर्य	21/09/2096	चंद्र	11/03/2113
केतु	13/03/2056	शुक्र	16/08/2074	सूर्य	26/04/2087	चंद्र	23/05/2098	मंगल	17/07/2113
शुक्र	14/05/2059	सूर्य	22/06/2075	चंद्र	25/11/2087	मंगल	23/07/2099	राहु	11/06/2114
सूर्य	25/04/2060	चंद्र	21/11/2076	मंगल	22/04/2088	राहु	24/07/2102	गुरु	30/03/2115
चंद्र	24/11/2061	मंगल	18/11/2077	राहु	10/05/2089	गुरु	24/03/2105	शनि	11/03/2116
मंगल	03/01/2063	राहु	06/06/2080	गुरु	16/04/2090	शनि	23/05/2108	बुध	06/12/2116
राहु	09/11/2065	गुरु	12/09/2082	शनि	26/05/2091	बुध	24/03/2111		00/00/0000
गुरु	22/05/2068	शनि	22/05/2085	बुध	22/05/2092	केतु	23/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।